बरेली, रविवार
13 सितंबर, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 18+4+4=26

दैनिक जागरण

PAGE NO.- III : BOTTOM

उपचार में रखें नैतिक मूल्यों का ध्यान

- एसआरएमएस मेडिकल कालेज में दो दिवसीय कोलोप्रोक्टोलाजी कांफ्रेंस-वर्कशाप का शुभारंभ
- वरिष्ठ चिकित्सकों ने युवा डाक्टरों को दी सलाह-धन के बजाय मानवता को दें प्राथमिकता

जागरण संवाददाता, बरेली : एसआरएमएस मेडिकल कालेज में दो दिवसीय कोलोप्रोक्टोलाजी कांफ्रेंस एवं वर्कशाप के पहले दिन चिकित्सकों को मरीजों को बेहतर देखभाल करने और नैतिक मूल्यों को ऊपर रखकर काम करने का मंत्र दिया गया।

कार्यक्रम के पहले दिन विशिष्ट सेवाओं के लिए वरिष्ठ सर्जन एवं पूर्व महापौर डा. आइएस तोमर और वरिष्ठ आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सक डा. लालता प्रसाद को लाइफ टाइम अचीवमेंट सम्मान से नवाजा गया। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति ने कहा कि चिकित्सा में आधुनिक तकनीक जरूरी है, लेकिन मरीज के उपचार में नैतिक मूल्यों का ध्यान रखना उससे भी महत्वपूर्ण है। युवा चिकित्सकों को वरिष्ठों से सेवा भाव, जुनून और नैतिकता सीखनी चाहिए।

डा. आइएस तोमर ने कहा कि, चिकित्सा सुविधाओं और तकनीक में बड़ा बदलाव आया है, लेकिन मरीज के प्रति चिकित्सक की जिम्मेदारी और नैतिक मूल्यों का महत्व कम नहीं हुआ है। कांफ्रेंस के वैज्ञानिक कार्यक्रम में हुए 11 सत्र में देशभर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बवासीर, एनल फिशर, फिस्टुला, कोलोनोस्कोपी, पाइलोनाइडल साइनस और रोबोटिक सर्जरी समेत विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। कई सर्जिकल प्रक्रियाओं का वीडियो और लाइव प्रदर्शन भी किया गया। इस दौरान आइएससीपी के पूर्व अध्यक्ष डा. प्रशांत खाटे, सचिव डा. नीरज गोयल, डा. दिनेश शाह, आइएमए प्रदेश अध्यक्ष डा. रवीश अग्रवाल व अन्य चिकित्सकों ने भी अपने-अपने अनुभव साझा किए।